दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–5)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2205**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Vikash Senthiya

Mobile Number: ____________________

Medium (English/Hindi): ____________________

Reg. Number: ____________________

Center & Date: ____________________

UPSC Roll No. ***(If allotted)*****:** ____________________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

Vivek Mishra

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

(1) भूमिका लेखन में परिभाषा की शुद्धता तथा आकड़ो की सत्यता अनिवार्य है। अभ्यर्थी को निम्न उत्तरो मे सुधार की सलाह।

(2) भूमिका के उपरान्त सन्दर्भ लेखन का प्रयास अवश्य करें। साथ ही समसामयिक घटनाक्रमो एवं प्रश्न के सहसम्बन्धन को भी दर्शायें।

(3) विषयवस्तु की समग्रता तथा वस्तुनिष्ठतापरबल देना अपेक्षित। (उ० सं० - 2, 4, 3, 5, 6, 8, 10, 12, 13, 20)

(4) भूगोल विषय से सम्बन्धित प्रश्नों मे मानचित्र (स्पष्ट एवं युक्ति-युक्त) को अनिवार्यत: उल्लेखित कीजिए।

(5) उत्तर मे अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक तर्क के सन्दर्भ में यथा संभव उदाहरणों का समावेशन अनिवार्यत: करें।

(6) निष्कर्ष की प्रकृति सकारात्मक एवं दिक् प्रदर्शक रखना अपेक्षित। (उ० सं० - 2, 8, 15, 17)

(7) सभी प्रश्नों का उत्तर लेखन हेतु अभ्यर्थी की सराहना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. अल नीनो और ला नीना क्या है? ला नीना भारत में मौसम की घटनाओं को कैसे प्रभावित करती है? (150 शब्द) 10

What is El Nino and La Nina? How does the La Nina impact weather events in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अल-नीनो का स्पेनिश भाषा में शाब्दिक अर्थ है- The christ child. यह पेरू के तट पर उत्पन्न एक गर्म जल धारा है जो मौसम की प्रतिकूल परिस्थिति को दर्शाती है।

वहीं, ला-नीना उस सामान्य स्थिति का सूचक है जब पेरू के तट पर पुन: ठण्डी हम्बोल्ट धारा का प्रवाह होने लगता है।

LA - NINA

EL- NINO

महासागरी स्थिति!

अल नीनो- पूर्वी उष्णकटिबन्धीय प्रशान्त क्षेत्र मे सतही जल के असामान्य उष्मन के कारण (प्रभाव)

ला-नीना- पूर्वी उष्णकटिबन्धीय प्रशान्त महासागरीय क्षेत्र का असामान्य शीतलन

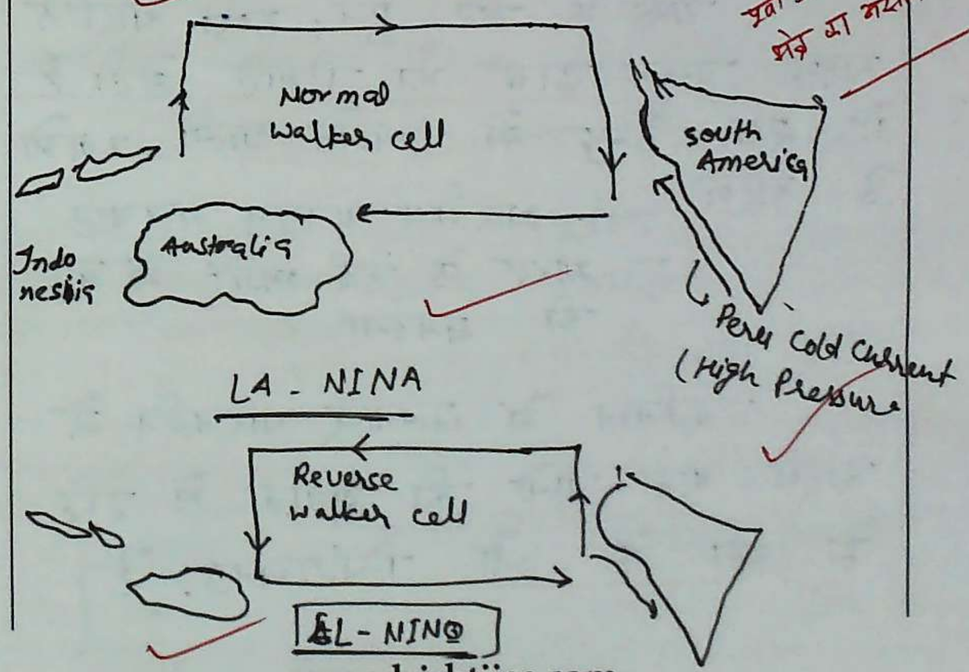

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के मौसम पर प्रभाव

एल-नीनो - इस स्थिति में पेरू के तट पर ~~ठंडी~~ गर्म जलधारा उत्पन्न होने से ~~हि~~ पश्चिमी ~~हि~~ ऑस्ट्रेलिया से हवाएं पेरू तट की ओर प्रवाहित होने लगती हैं जिससे भारतीय मानसून कमजोर हो जाता है

- भारत के कई भागों में सूखे की संभावना
- वर्षा प्रतिरूप में परिवर्तन

ला-नीना - एल-नीनो के बाद जब पेरू के तट पुनः ठंडी धारा के कारण उच्च दाब की स्थिति होती है तो इस केन्द्र से चलने वाली हवाओं के कारण — भारतीय मानसून मजबूत

- भारत के कई भागों में बाढ़ की समस्या।

मानसून का पक्ष

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण एल-नीनो की आवृत्ति में वृद्धि हो रही है जो चिंताजनक है।

उचित निष्कर्ष

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "हालाँकि प्रवाल भित्तियाँ समुद्र तल के एक छोटे से हिस्से को कवर करती हैं, लेकिन वे लोगों को बहुत अधिक लाभ प्रदान करती हैं।" इस संबंध में प्रवाल विरंजन और इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

"Although coral reefs cover a tiny fraction of the ocean floor, they provide outsized benefits to people". In this regard discuss what is coral bleaching and its impact? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रवाल-भित्तियाँ सम्पूर्ण समुद्री सतह के 6% भाग पर पाई जाती हैं। लेकिन उनसे प्राप्त लाभों व जैव-विविधता की प्रचुरता के कारण उन्हें वर्षा वन की संज्ञा दी जाती है।

प्रवाल भित्तियों से लाभ

पर्यावरणीय — जैव-विविधता का संरक्षण
- विभिन्न जीवों को आवास व भोजन
- खाद्य शृंखला के सुचारू संचलन में

आर्थिक - पर्यटन के केन्द्र (अण्डमान, लक्षद्वीप)
- प्रवालों की खेती

अन्य - मृदा कटाव से सुरक्षा
- जल चक्र का पुनर्भरण
- चक्रवातों से तट की रक्षा आदि

प्रवाल भित्तियों लाभ — (1) पर्यावास (2) आय (3) भोजन (4) सुरक्षा (5) चिकित्सा

प्रवाल विरंजन

प्रवाल, जू-जैंथिलाई के साथ सहजीवी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संबंध में पाए जाते हैं, किन्तु जब प्राकृतिक या मानव निर्मित कारकों से जू-जैंथिलाई अलग होने लगते हैं तो प्रवाल रंगहीन हो जाते हैं। इस घटना को कोरल ब्लीचिंग (प्रवाल विरंजन) कहते हैं।

प्रवाल विरंजन के प्रभाव

- प्रवालों पर भोजन-आवास हेतु निर्भर जीवों की मृत्यु
- खाद्य श्रृंखला में व्यवधान
- समुद्री जल प्रदूषण
- जैव-विविधता की हानि
- समुद्र तट का क्षरण
- मृदा निर्माण व जल-पुनर्भरण प्रक्रम प्रभावित

कोरल प्राकृतिक पारितंत्र की महत्वपूर्ण इकाई हैं। अतः विभिन्न सरकारी प्रयासों व जनसहभागिता द्वारा इनका संरक्षण किया जाना चाहिए।

3.5

ICRI (Inter. Coral Reef Initiative)

प्रवाल संरक्षण के वैधानिक प्रावधान –
(1) तटीय विनियमन अधिसूचना
(2) वन संरक्षण अधि०
(3) EPA
(4) मरीन प्रोटेक्टेड एरिया
(5) आर्द्रभूमि नियम-10
(6) Global Coral Reef Monitoring Net work
(7) Global funds for Coral Reef
(8) Green Fin
(9) Reef world
(10) WCMC

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. "प्रत्येक गर्मी की शुरुआत के बाद से भारत के बड़े हिस्सों में लगातार हीट वेव की स्थिति दर्ज की गई है।" इस आलोक में हीट वेव को परिभाषित कीजिये तथा ऐसी तीव्र हीट वेव के कारणों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

"Severe heatwave conditions have been consistently reported over large parts of India since the beginning of each summer". In this light define heat waves and discuss the causes for such intense heat waves. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

IMD के अनुसार, जब लगातार 5 दिनों तक किसी स्थान के औसत दैनिक तापमान व वास्तविक दैनिक तापमान में 5°C की वृद्धि हो जाती है तो इस स्थिति को हीट वेव्स की संज्ञा दी जाती है।

वर्तमान में प्रत्येक गर्मियों की शुरुआत में हीट वेव की आवृत्ति में वृद्धि देखने को मिली है।

हीट वेव के कारण

① शहरी क्षेत्रों का कंक्रीटीकरण – एस्फाल्ट कंक्रीट से सड़क व भवनों का निर्माण जो अत्यधिक ताप अवशोषक होते हैं।

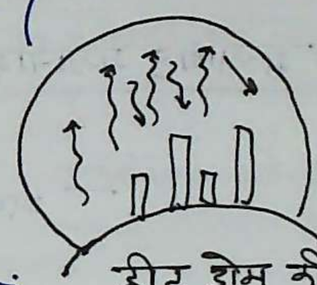

मैदानी क्षेत्र में हीट वेव (40°C) से 5-6°C विचलन; गम्भीर हीट वेव → (40°C) से 6°C से अधिक तापमान

हीट वेव से भारत प्रभावित → Delhi, UP, Bihar, Odisa, MP, Raj, Maharashtra

ILO रिपोर्ट - तनाव (हीट वेव के कारण) - 4.3% घण्टे (काम का) नुकसान → 2030 तक → 5.8% खोने का अनुमान → नौकरियों का नुकसान (भारी) → मृत्यु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② बदलता भूमि-प्रतिरूप - शहरीकरण, कृषि, आदि कार्यों के लिए बड़े पैमाने पर वनों का काटना तथा संरचनात्मक निर्माण → झीलों में कमी

③ जलवायु परिवर्तन - बदलता वर्षण प्रतिरूप
- वायुमण्डल में कार्बन डाइ ऑक्साइड व CH_4 गैसों का अत्यधिक संकेन्द्रण

④ अत्यधिक मशीनीकरण - विद्युत का अधिक प्रयोग
- गर्म गैसों का निष्कासन आदि

उपरोक्त कारणों से हीट-वेव की घटना में वृद्धि हो रही है जो मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।

हीट वेव के कारण
① जल-निकाय
② निर्वनीकरण
③ अनियोजित शहरीकरण
④ बदलती जीवन शैली
⑤ उच्च कार्बन उत्सर्जन

निदान—
① आपदा घोषित करना
② लोगों को संवेदित करना
③ वैकल्पिक रोजगार
④ योजना कार्य
⑤ CO_2 उत्सर्जन में कमी

③

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. सुनियोजित शहरों का निर्माण सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक था। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Building well-planned cities was one of the most important features of the Indus Valley Civilization. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता का विकास 2500 BC - 1700 BC के मध्य माना जाता है। यह सभ्यता अपनी विभिन्न कलाओं जैसे - स्थापत्य, मृद्भाण्ड, सीलें, मोहरें आदि के लिए जानी जाती है।

किन्तु, सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसकी नगर योजना थी जो समकालीन सभ्यताओं (मिस्र, मेसोपोटामिया) से बेहतर थी।

नगर नियोजन की विशेषताएँ

① नगर दो भागों विभक्त था - पूर्वी टीला, पश्चिमी टीला।

① गढ़ (सिटाडेल)
② निचला नगर

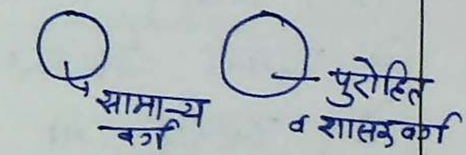

② सड़कों का निर्माण समकोण पर काटते हुए किया गया था।

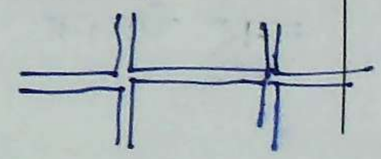

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

③ प्रत्येक आवास में जल निकासी के लिए नाले की व्यवस्था थी। छोटी नालियाँ बड़े नालों में मिल जाती थी, तथा नालों की सफाई के लिए उनमें मेनहोल बनाए गए थे।

④ घरों के दरवाजे पीछे की गली में खुलते थे ताकि प्रदूषण की समस्या न हो।

⑤ प्रकाश, हवा आदि के लिए घरों में खिड़कियाँ बनाई गयी थी।

स्पष्ट है कि सिंधु सभ्यता में नगरों का विकास सुनियोजित तरीके से किया गया। वर्तमान में चण्डीगढ़ शहर में इसका उदाहरण देखा जा सकता है। सरकार भी विभिन्न शहरी मिशनों AMRUT, SMART CITY MISSION में इस नगर योजना से प्रेरणा लेती है।

(Margin remarks: ② मानकीकृत ईंटें। ③ बड़े स्नानागार ④ इमारतें ⑤ जल निकासी व्यवस्था ⑥ अनाज भण्डार — प्रत्येक के उदाहरणों को उनके प्राप्ति स्थलों के साथ पुष्ट कीजिए। निष्कर्ष तर्क संगत ✓ — ④)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. जेट धाराएँ क्या हैं? उनके जलवायु महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
What are jet streams? Discuss their climatic significance. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वायुमण्डल में क्षोभसीमा के निकट पश्चिम से पूर्व की ओर सँकरी तंग के रूप में चलने वाली भू-विक्षेपी पवनों को जेट स्ट्रीम कहते हैं।

जेट स्ट्रीम

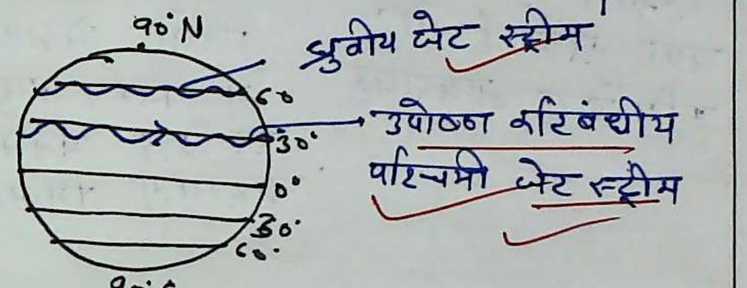

- पश्चिमी उपोष्ण कटिबंधीय → 30° के आसपास
- ध्रुवीय जेट स्ट्रीम → 60° के आसपास
- ऊष्ण कटिबंधीय जेट स्ट्रीम → तिब्बत के पठार से
- ध्रुवीय रात्रि जेट स्ट्रीम → समताप मण्डल में

(Margin remarks: परिभाषा उचित सराहनीय; लक्षण— ① उत्पत्ति तापीय प्रवणता से जुड़ी। ② रॉस्बी वेव ③ मौसमी चक्र से आधारित प्रभाव)

जेट स्ट्रीम का जलवायविक महत्त्व

① तिब्बत के पठार से उठने वाली जेट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

स्ट्रीम भारत में मानसून के आगमन में सहायक होती है।

② पश्चिमी उपोष्ण कटिबंधीय जेटस्ट्रीम

सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के रूप में वर्षा करती है जो कृषि हेतु लाभदायक	सर्दियों के पश्चात हिमालय की स्थानांतरण जिससे मैदानी क्षेत्र में निम्न वायुदाब का केन्द्र बनने में सहायता मिलती है

③ ध्रुवीय जेटस्ट्रीम शीतोष्ण कटिबंधों में वाताग्र जनन के द्वारा मौसम में परिवर्तन लाती है।

④ ध्रुवीय रात्रि जेट स्ट्रीम समतापमण्डल ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ODS) के वितरण को प्रभावित करती है।

⑤ जेटस्ट्रीम की उपस्थिति से चक्रवातों के निर्माण भी प्रभावित होते है।

जलवायवीय महत्व
(1) समताप मण्डल में नमी के कारण नाक्रियस बादलों का निर्माण
(2) भारतीय मानसून के निर्माण व अवधि पर प्रभाव
(3) चक्रवातीय तथा प्रतिचक्रवाती स्थितियों के निर्माण

भारतीय जलवायु पर प्रभाव
(1) NE मानसून को प्रभावित करती थी (सोमाली जेट)
(2) STJ द्वारा पश्चिमी विक्षोभ

(3.)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

6. मथुरा और अमरावती कला शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10
Highlight the characteristics of Mathura and Amravati school of art. (150 words) 10

प्राचीन भारत में मूर्तिकला की तीन शैलियाँ विकसित हुई —
- गांधार शैली (विदेशी प्रभाव)
- मथुरा शैली
- अमरावती शैली] (स्वदेशी शैलियाँ)

विशेषताएँ	मथुरा शैली	अमरावती शैली
① स्थान	मथुरा व उसके आसपास का क्षेत्र (मथुरा, सारनाथ, कौशाम्बी)	आंध्रप्रदेश का क्षेत्र
② संरक्षण	शक व कुषाण शासक	सातवाहन व इक्ष्वाकु शासक
③ मूर्तियाँ	बौद्ध, जैन व ब्राह्मण धर्म से सम्बन्धित	मुख्यतः बौद्ध धर्म की मूर्तियां
④ प्रभाव	स्वदेशी कला शैली कोई विदेशी प्रभाव नहीं	यह भी पूर्णतः स्वदेशी

मथुरा —
(1) प्रचलचित्र बुद्ध
(2) हृष्ट पुष्ट शरीर तंग कपड़े
(3) सर पर प्रभाव (जटा)
(4) पद्मासन, चेहरे का विशिष्ट भाव

हिन्दू

समानता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(5) जनक सामग्री	लाल बलुआ पत्थर	श्वेत संगमरमर का प्रयोग
(6) कला का रूप	आदर्शवादी कला जिसमें बुद्ध को प्रभामण्डल के साथ दर्शाया गया है।	यथार्थवादी कला मूर्तियों के मांसल व सूक्ष्म अंकन पर बल

स्पष्टतः दोनों कला शैलियों ने भारत की मूर्तिकला शैली को समृद्ध किया जिनसे आगे के मूर्तिकारों ने प्रेरणा ग्रहण की।

अमरावती- विकास श्रेष्ठ
(1) कृष्णा गोदावरी की निचली घाटी, अमरावती, नागार्जुनकोंडा
(2) बुद्ध के व्यक्तिगत विशेषताओं पर कम बल
(3) जातक कथाएँ
(4) राजकुमार सिद्धार्थ,
(5) धर्मनिरपेक्षता

अधिक समग्रता अपेक्षित

उदाहरणों का उल्लेख अनिवार्य

2.8

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारत छोड़ो आंदोलन को विभाजन और स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर सबसे बड़े साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के रूप में वर्णित किया गया है। इस संबंध में भारत छोड़ो आंदोलन की प्रकृति पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Quit India Movement has been described as the most massive anti-imperialist struggle on the eve of Partition and Independence. In this regard discuss the nature of the Quit India Movement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत छोड़ो आंदोलन (1942) भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के अन्तिम चरण को सूचित करता है जिसने स्वतंत्रता के लक्ष्य को वास्तविक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

करो या मरो! स्वतंत्रता का स्पष्ट आह्वान था।

आंदोलन की प्रकृति

(1) यह आंदोलन राष्ट्रवादी नेताओं के निर्देशन के साथ-साथ स्वतः स्फूर्ति वाला था जिसमें जनता से कहा गया कि वे अपने विवेक से कार्य करे जो आंदोलन की परिपक्वता को दर्शाता है।

(2) आंदोलन में बड़े पैमाने पर जन-भागीदारी से यह दिखा दिया कि अब एकमात्र उपाय स्वतंत्रता ही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ इस आंदोलन में करो या मरो जैसे नारे जनता के ऊपर नेताओं के विश्वास को दर्शाते है।

④ सरकारी सेवाओं से त्यागपत्र देने के स्थान पर आंदोलन के प्रति निष्ठा घोषित करने को कहा गया।

⑤ मुस्लिम लीग तथा साम्यवादी दल प्रायः इस आंदोलन से अलग रहे। किन्तु सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई।

⑥ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन से मुक्ति की दिशा में ताबूत में अंतिम कील साबित हुआ जिसने भारत को स्वतंत्रता दिलाई।

~~किन्तु~~

8

विशेषताएँ— ① व्यापक पैमाने पर विरोध मार्च, प्रदर्शन, हड़ताल ② आन्दोलन का घोषित लक्ष्य अस्पष्ट

निष्कर्ष— अन्तर्गत: क्या परिणाम रहे। सफलता का आकलन कीजिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. लौह और इस्पात उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिये और पूरे भारत में उनके वितरण की रूपरेखा तैयार कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlight the factors influencing the location of iron and steel industries and outline their distribution across the India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में लौह अयस्क के रूप में मुख्यतः मैग्नेटाइट व हेमेटाइट पाए जाते हैं।

लौह इस्पात उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

भारत में लौह व इस्पात उद्योग

स्पष्टता के साथ नामांकन आवश्यक

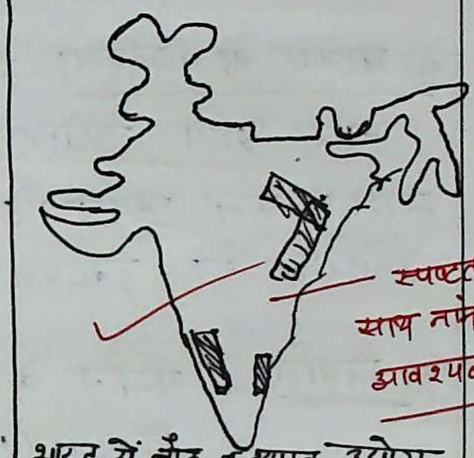

① कच्चा माल— कच्चे माल के रूप में लौह-अयस्क की प्राप्ति के स्थान पर उद्योगों की स्थापना की जाती है।
जैसे - दुर्गापुर, बोकारो (पश्चिम बंगाल)

② ऊर्जा/कोयला - लौह उद्योग में अयस्क को गलाने हेतु कोयले की आवश्यकता होती है। अतः कोयला खदानों से निकटता इनकी अवस्थिति निर्धारित करती है।
जैसे - रानीगंज, झरिया कोयला खदानों के निकट लौह इस्पात उद्योग

उचित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ जल की उपलब्धता - कोयला धोने व अन्य कार्यों हेतु जल एक आवश्यक सामग्री है। झारखण्ड के लौह उद्योग दामोदर नदी पर निर्भर हैं।

④ बाजार से निकटता - ~~अतः~~ लौह उद्योग भार-ह्रासी उद्योग है। अतः परिवहन लागत कम करने हेतु बाजार के निकट उद्योगों की स्थापना।

⑤ निर्यात - पत्तन के समीप
- विशाखापट्टनम के उद्योग
- कर्नाटक के उद्योग

(आ० विज्ञे)

भारत में वितरण - मुख्यतः झारखण्ड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल व कर्नाटक में पाए जाते हैं क्योंकि यहाँ पर लौह अयस्क व कोयला दोनों की उपलब्धता है।

(उदाहरण स्पष्ट कीजिए)
(तटीय क्षेत्रों से निकटता)
(⑥ सरकारी नीतियाँ → छत्तीसगढ़ सरकार की)
(⑦ श्रम लागत (पूर्वी भारत में सस्ता श्रम))

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. उपयुक्त साक्ष्यों की सहायता से सागर नितल प्रसरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
Elucidate the concept of sea floor spreading with suitable evidence. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सागर नितल का सिद्धांत हैरी हेस द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

इस सिद्धांत के अनुसार, सागर के नितल का निरंतर प्रसार हो रहा है। यह प्रसार मध्य महासागरीय कटक के सहारे होने वाले दरारी ज्वालामुखी से निसृत लावा द्वारा नवीन क्रस्ट के निर्माण से जुड़ा हुआ है।

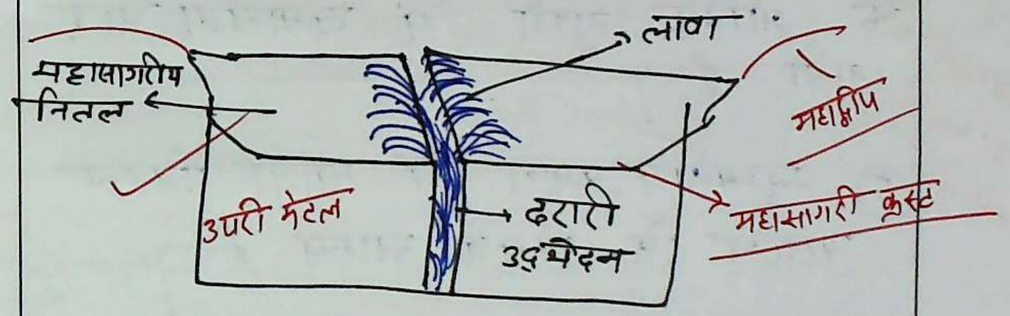

(उचित भूमिका)

सागर नितल प्रसरण

सागर नितल प्रसरण के साक्ष्य

① कटक से दूर जाने पर चट्टानों की आयु बढ़ती है जबकि ज्वालामुखी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के केन्द्र के पास अपेक्षाकृत नवीन चट्टानें है।

② महाद्वीपीय चट्टानों की तुलना में महासागरीय चट्टानें नवीन है जो 200 मिलियन वर्ष से अधिक पुरानी नहीं हैं।

③ कटक से दूर भू-पर्पटी की मोटाई में कमी आती जाती है।

④ कटक के दोनों ओर के चट्टानों के भौतिक गुणों में समानता पाई जाती है।

⑤ चुम्बकीय प्रमाण में सागर नितल प्रसरण के प्रमुख साक्ष्य है।

मध्य-महासागरीय कटक के पास जहाँ नवीन क्रस्ट का निर्माण होता है, वहीं महाद्वीपीय-महासागरीय सीमांत पर भू-पर्पटी का क्षेपण होता है और यह संतुलन बना रहता है।

साक्ष्य - (1) चुम्बकीय अभिविन्यास (2) रेडियोमेट्रिक डेटिंग (3) मध्य महासागरीय कटकों पर भूकम्प व ज्वालामुखी

4

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. पिछले दो दशकों में दक्षिण एशिया में बाढ़ का ज्यादा असर शहरी इलाकों में देखा जा रहा है। इस कथन के आलोक में नगरीय बाढ़ के कारणों की विवेचना कीजिये तथा इससे निपटने के उपायों का सुझाव भी दीजिये। (150 शब्द) 10

In the last two decades, floods in South Asia have become urban. In the light of this statement discuss the causes of urban flooding and suggest measures to tackle it. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~पिछले दो~~

शहरी क्षेत्र में तीव्र बारिश के कारण उत्पन्न होने वाली जलभराव की स्थिति को शहरी-बाढ़ की संज्ञा दी जाती है।

नगरीय बाढ़ के कारण

① शहरों में कंक्रीट की अवसंरचना का निर्माण जिससे जल भूमि की ओर रिस नहीं पाता है।

② तीव्र शहरीकरण के कारण शहरों का अनियोजित विकास

③ उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था का अभाव

④ वर्तमान जल-निकासी व्यवस्था में कूड़ा-कचरा तथा गाद के जमाव की समस्या।

शहरी बाढ़ के कारण - (1) मौसमी कारक (2) हाइड्रोलॉजिक कारक (3) मानवजनित कारक (a) आर्द्रभूमि अतिक्रमण (b) खराब जल निकासी (c) हरित आवरण में कमी (d) भू-भाग में परिवर्तन (e) जल-स्राव (Seepage) कम होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(5) अर्बन हीट आइलैण्ड के कारण वर्षा का सीमित समय में तेजी से होना ।

संभावित उपाय- (1) शहरी जल निकासी प्रणाली का उन्नयन

निपटने के उपाय

① AMRUT, SMART CITY MISSION आदि के अनुरूप शहरों के नियोजित विकास पर बल देना । — हृदय (HRIDAY)

② शहरों में कुशल जल निकास तंत्र का निर्माण व बारिश के पहले उसकी सफाई करना ।

③ बाढ़ के प्रभाव को कम करने हेतु पूर्व सूचना तंत्रों का विकास

④ सामुदायिक सहभागिता व जागरूकता सृजन

⑤ शहरों में भू-जल पुनर्भरण की व्यवस्था करना

⑥ हरित पट्टी के रूप में वनस्पति के विकास को बढ़ावा

प्रस्तुत तर्कों के समर्थन में सार्थक उदाहरण लिखें।

4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11 बौद्ध सिद्धांत ब्राह्मणवादी परंपराओं की तुलना में सामाजिक रूप से अधिक समावेशी था लेकिन इसका उद्देश्य सामाजिक मतभेदों को समाप्त करना नहीं था। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Buddhist doctrine was more socially inclusive than Brahmanical traditions but it did not aim at abolishing social differences. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6वीं सदी ईसा पूर्व में ब्राह्मण धर्म के विरुद्ध बौद्ध धर्म का उदय हुआ।

563-483 ईसा पूर्व

बौद्ध धर्म अधिक समावेशी

① सभी जाति के लोगों को संघ में प्रवेश का अधिकार

② जाति-पाति की बुराई करता था।

③ उच्च वर्ग के लिए आरक्षित परम्पराओं का विरोध व सर्वजन सुलभ बनाया।

④ ब्राह्मणीय कर्मकाण्डों की आलोचना की। ? (समावेशिता का तर्क किस प्रकार?)

पाली, प्राकृत में दी गयी शिक्षाएं

⑤ सभी वर्गों (क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) के लिए समान व्यवहार।

2

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~प्रश्न~~ मतभेदों को मिटाने के पक्षधर (नहीं —

(1). यथास्थिति बनाये रखने की प्रथा (राजा के बिना सैनिक शामिल न होगें).

(2). भिक्षुओं का बड़ा वर्ग ब्राह्मण या क्षत्रिय. (सबका प्रतिनिधित्व नहीं).

(3). उच्च व निम्न सामाजिक स्थिति को मान्यता देना

(4). महिलाओं के प्रति नकारात्मक भाव

उत्तर पूर्ण करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. "उपनिवेशवाद भारत के आर्थिक विकास में मुख्य बांधा था।" इस कथन के आलोक में नरमपंथियों के योगदान को उजागर कीजिये, जो 19वीं शताब्दी में उपनिवेशवाद की आर्थिक आलोचना को विकसित करने वाले पहला गुट था। (250 शब्द) 15

"Colonialism was the main obstacle to India's economic development". In the light of this statement bring out the contribution of Moderates, who were the first to develop an Economic critique of colonialism in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब किसी शक्तिशाली देश द्वारा किसी अन्य राष्ट्र पर राजनीतिक व आर्थिक अधिकार कर लिया जाता है तो इसे उपनिवेशवाद कहते हैं। तथा कमजोर राष्ट्र को 'उपनिवेश' तथा शक्तिशाली राष्ट्र को मातृदेश कहते हैं।

उपनिवेशवाद का प्रभाव—
(1) कृषि में निवेश की अपर्याप्तता
(2) गैर-औद्योगिकीकरण
(3) मानव-पूंजी में कम निवेश
(4) धनों का शोषण

उपनिवेशवाद : भारत के आर्थिक विकास में बाधा

① उपनिवेशवाद में समस्त नीतियों का उद्देश्य मातृदेश के हितों की पूर्ति तथा उपनिवेश का शोषण करना होता है।

② ब्रिटिश सरकार द्वारा लायी गयी कृषि नीतियों ने किसानों को निर्धन बना दिया तथा कृषि पर दबाव बढ़ने से कृषि पिछड़ गयी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ औद्योगिक नीति - कुटीर उद्योगों का पतन
→ आधुनिक उद्योगों की स्थापना नहीं हुई
→ भारत कच्चे माल का निर्यातक व तैयार वस्तुओं का आयातक

④ रेलवे का निर्माण - कल-पुर्जे आयातित
→ दूर-दराज तक ब्रिटिश वस्तुओं की पहुँच में वृद्धि
→ भारत के संसाधनों का दोहन आसान

समग्रता अपेक्षित

उपरोक्त नीतियों ने भारत की आर्थिक स्थिति कमजोर की और भारत को गरीब देश बना दिया।

नरमपंथियों का योगदान

① नरमपंथी नेताओं जैसे (दादा-भाई नौरोजी, आर.सी. दत्त, रजनी पाम दत्त फिरोजशाह मेहता आदि) ने अंग्रेजों के औपनिवेशिक चरित्र को समझा और

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उसकी आलोचना की।

② सर्वप्रथम दादा-भाई नौरोजी ने 1865 में धन-निकासी का सिद्धांत दिया तथा भारत के वि-औद्योगीकरण की आलोचना की।

③ रजनीपाम दत्त ने अपनी पुस्तक 'इण्डिया टुडे' में उपनिवेश के चरणों को उजागर किया।

④ नरमपंथियों ने सैन्य व्यय में कटौती, भारतीय उद्योगों को संरक्षण जैसी मांगे रखी।

स्पष्ट है कि राष्ट्रवाद अपने प्रारंभिक समय में आर्थिक आधार लिए हुए था। इन नेताओं ने आर्थिक आलोचनाओं के माध्यम से ब्रिटिश के जन-विरोधी चेहरे को उजागर कर दिया।

आलोचना के आधार (नरमपंथियों आदि)
① धन निष्कासन
② कच्चे माल आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत
③ भारतीय पूंजी का खोखलापन
④ हस्तशिल्प का पतन
⑤ ब्रिटिश हितों के लिए आधुनिकीकरण
⑥ भू-राजस्व आधार नीति

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. गुप्त युग को अक्सर सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में शास्त्रीय युग के रूप में वर्णित किया जाता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The Age of Guptas is often described as the classical age in the sphere of cultural development. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राचीन काल में गुप्त युग (4थी सदी से 6वीं सदी तक) को उसके चहुंमुखी विकास के कारण गुप्त 'स्वर्णकाल' की संज्ञा दी जाती है।

गुप्तकाल में सांस्कृतिक विकास

① साहित्य के क्षेत्र में – गुप्तकाल में साहित्य का प्रचुर विकास हुआ। विक्रमादित्य के दरबार में 'नवरत्न' उपस्थित थे जिनमें कालिदास (अभिज्ञान शाकुंतलम्, मालविकाग्निमित्रम्) तथा मुद्राराक्षस (विशाखदत्त) जैसे साहित्यकार थे।

① शूद्रक
② हरिषेण
③ भास
④ भारवि
⑤ दण्डी
⑥ अमरसिंह
⑦ ईश्वरकृष्ण
⑧ व्यास
⑨ वात्स्यायन

② स्थापत्य कला – मंदिर निर्माण की नागर शैली का विकास तो गुप्त काल के दौरान ही हुआ। हालांकि प्रारंभ में विशाल मंदिर नहीं बने, तब भी नवीन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्थापत्य (मंदिर)
① दशावतार
② भीतर गांव
③ धमेख स्तूप
④ पार्वती मन्दिर (Nachna Kuthara)
⑤ लक्ष्मण मन्दिर सिरपुर
⑥ भीतरी मन्दिर गाजीपुर

संरचना के विकास की दृष्टि से इसका महत्त्व है।

③ अर्थव्यवस्था - इस काल में बहुत अधिक मात्रा में सोने के सिक्के चलाए गए जो आर्थिक समृद्धि का सूचक है।

- रेशम मार्ग व द. पूर्वी एशिया के साथ व्यापार में वृद्धि हुई।

④ विज्ञान के क्षेत्र में -

↳ आर्यभट्ट व वराहमिहिर जैसे वैज्ञानिकों ने अनेक वैज्ञानिक खोजों को सम्भव बनाया।

→ चरक आदि ने औषधि विज्ञान में सफलता का शिखर छुआ

सांस्कृतिक विकास का ही उल्लेख करें।

उपर्युक्त विशेषताओं के कारण गुप्तकाल को सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में शास्त्रीय युग कहा जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चित्रकला
1) अजन्ता
2) बाघ

धर्म
1) बुद्ध/जैन को संरक्षण नालन्दा

उदाहरणों द्वारा संपुष्टि आवश्यक

हालाँकि रोमिला थापर जैसे कुछ इतिहासकारों ने गुप्तकाल को स्वर्णयुग कहने का विरोध किया है क्योंकि —

① समाज में जातिगत भेदभाव था
② महिलाओं व शूद्रों की स्थिति अच्छी नहीं थी
③ आर्थिक विषमता विद्यमान थी।

स्पष्ट है कि कुछ कमियों के बावजूद गुप्तकाल में अन्य साम्राज्यों की तुलना प्रत्येक क्षेत्र में अधिक विकास देखने को मिलता है।

5.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. हिमनद प्रतिक्रिया से संबंधित विभिन्न अपरदन और निक्षेपण भू-आकृतियों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the various erosional and depositional landforms associated with glacial action. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बर्फ, उसके आसपास की मृदा, कंकड पत्थर आदि के सम्मुच्चय को ग्लेशियर (हिमनद) कहते हैं।

हिमनद जब आगे या पीछे की ओर गति करते हैं तो निक्षेपण, घर्षण, अपरदन, आदि क्रियाओं द्वारा अनेक आकृतियों का निर्माण करते हैं।

हिमनदों का वर्गीकरण
↳ आकार
(a). आइस कैप
(b) घाटी हिमनद
(c) हिमच्छद
(d) ... हिमनद
ताप आधारित
(a) ध्रुवीय हिमनद
(b). समशीतोष्ण हिमनद

हिमनद द्वारा निर्मित अपरदनात्मक आकृतियाँ

① **रॉश मुटोने** - जब हिमनद किसी तीव्र ढाल वाली पहाड़ी से नीचे गिरता है तो एक ढाल चिकना व दूसरा खुरदुरा हो जाता है।

रॉश मुटोने

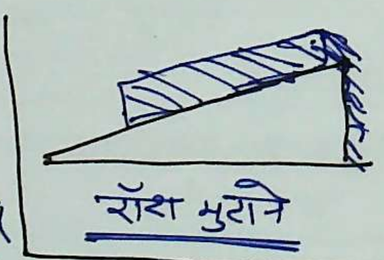

② **सर्क** - किसी पहाड़ी पर निर्मित अर्द्धवृत्ताकार संरचना जो हिमनद के अपरदन द्वारा एक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आरामदायक कुर्सी की भाँति प्रतीत होती है।

③ **एरीट** - जब किसी पहाड़ी के दोनों ओर सर्क का निर्माण हो जाता है तो बीच के कटक को एरीट कहते हैं।

④ **हॉर्न (शृंग)** - विभिन्न एरीट के मिलन बिन्दु पर अत्यंत तीक्ष्ण व नुकीली संरचना शृंग कहलाती है।

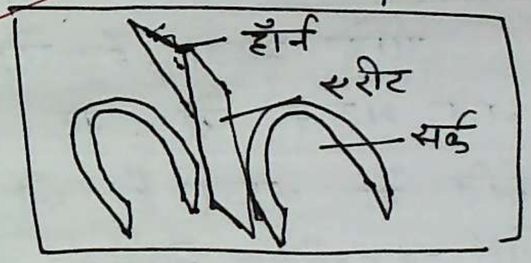

⑤ **यू-आकार की घाटी** - हिमनद की लम्बवत अपरदन से यू-आकार की घाटी का निर्माण होता है।

⑥ **हैंगिंग वैली** - हिमनद जब किसी ऊँची घाटी से गिरता है वह लटकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हुआ प्रतीत होता है जिसे हैंगिंग वैली कहते हैं।

निक्षेपणात्मक आकृतियाँ

① हिमोढ़ - हिमनद की गति की दिशा में उसके साथ लाए गए अवसादों के निक्षेपण से निर्मित संरचना को हिमोढ़ कहते हैं।

② ग्लेशियर झील - जब कोई हिमनद पीछे हटता है तो उस स्थान पर जल भरने से वह झील में परिवर्तित हो जाता है जो कई नदियों का स्रोत होता है।

①प्रकार ②हिमानीधौत मैदान ③ड्रमलिन

चित्र आप प्रदर्शित भी करें

6.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. असहयोग आंदोलन अपनी विफलता के बावजूद भारतीय इतिहास में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के संबंध में बहुत महत्त्व रखता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

In spite of its failure the Non-Cooperation Movement has great significance in Indian history in relation to the political and social sphere. Analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असहयोग आंदोलन, गांधीवादी चरण का एक प्रमुख महत्वपूर्ण आंदोलन है जो 1920-21 में हुआ। इस आंदोलन के दौरान गांधी जी ने एक वर्ष के भीतर स्वतंत्रता प्राप्ति की बात कही थी।

हालाँकि अपने घोषित उद्देश्य में विफलता के बावजूद इसका महत्व है।

अंग— ①परिचय ②विचार परिवर्तन ③सरकारी सम्मान ④उपाधियों का त्याग ⑤सरकारी सेवा के त्याग ⑥स्कूलों से हटाएं

राजनीतिक क्षेत्र में

① इस आंदोलन की विफलता से क्रांतिकारी आंदोलन के द्वितीय चरण का प्रारंभ हुआ जिसने ब्रिटिश विरोध को बढ़ाया

② स्वराज पार्टी का उदय - राजनीतिक शून्यता की स्थिति में राष्ट्रवादी भावनाओं को जागृत रखा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक महत्व
(1) कांग्रेस के संविधान में बदलाव
(2) सभी वर्गों तक राजनीतिक चेतना
(3) कांग्रेस का विघटन
(4) क्रांतिकारी गतिविधियों के प्रति आकर्षण
(5) गांधी जी की जन नेता के रूप में छवि

③ राजनीतिक क्षेत्र में धरना, प्रदर्शन, पिकेटिंग जैसे नए साधनों का प्रयोग

④ राष्ट्रवादी नेताओं को ~~सबल~~ जनता की शक्ति का अहसास हुआ।

⑤ कांग्रेस के संगठन में परिवर्तन, प्रांतीय स्तर पर समितियाँ गठित

सामाजिक क्षेत्र में

① हिन्दू-मुस्लिम एकता देखने को मिली जो न इससे पहले और न कभी बाद में दिखी।

② आंदोलन के सामाजिक आधार में वृद्धि
- → महिलाओं की आंदोलन में सक्रिय भूमिका
- → पूँजीपति वर्ग पहली बार आंदोलन से जुड़ा
- → विद्यार्थियों ने स्कूल व कर्मचारियों ने नौकरी त्याग दी
- → किसानों व मजदूरों की भागीदारी।

③ गांधी जी ने संघर्ष - विराम - संघर्ष की नीति को अपनाने पर बल दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक महत्व
(1) विदेशी वस्त्र व शराबबंदी पर बल
(2) उच्च व निम्न दोनों वर्गों का साथ आना
(3) गांधीवादी विचारधारा को बल → स्वदेशी

④ इस आंदोलन ने हिंसा को नकार दिया क्योंकि चौरी-चौरा की घटना के कारण गांधी जी ने आंदोलन स्थगित कर दिया।

⑤ भारत आगमन के बाद, इस आंदोलन से गांधी जी का जन नेता के रूप में उदय हुआ।

स्पष्ट है कि किसी आंदोलन की सफलता लक्ष्य-प्राप्ति के अतिरिक्त इस बात पर निर्भर करती है कि उसने क्या प्रभाव छोड़े? असहयोग आंदोलन के व्यापक प्रभाव को देखते हुए इसे असफल न मानकर स्वतंत्रता आंदोलन का एक चरण मानना चाहिए

(6)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. क्रांतिकारी उग्रवाद ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ 20वीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान अत्यधिक प्रेरित राष्ट्रवादी युवाओं की एक पीढ़ी द्वारा अपनाई गई राजनीतिक कार्रवाई का रूप था। इस संबंध में क्रांतिकारी प्रवृत्तियों के कारणों और इसके पतन के लिये ज़िम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Revolutionary terrorism was the form of political action adopted by a generation of highly motivated nationalist youth during the start of the 20th century against British power. In this regard discuss the causes leading to revolutionary trends and factors responsible for its decline. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

20 वीं सदी में ब्रिटिश विरोध के रूप में कुछ युवाओं ने सरकार के विरुद्ध हथियार उठा लिए और संघर्ष ~~क्रान्ति~~ के द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति पर बल दिया। ऐसे स्वतंत्रता समर्थकों को क्रांतिकारी कहा गया।

1907 से प्रथम विश्व युद्ध तक

क्रांतिकारी प्रवृतियों के उदय के कारण

① नरमपंथियों की विफलता - सरकार ने नरमपंथी नेताओं की याचिका व प्रार्थनाओं पर ध्यान नहीं दिया। अतः युवाओं में असंतोष का बढ़ावा मिला।

② रूसी क्रांति की सफलता - रूस की क्रांति से प्रेरणा लेते हुए अनेक समाजवादी दल बने जिन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1) गदर आन्दोलन
2) प्रतिबन्धात्मक अप्रयुक्त निष्फल
3) बंगाल विभाजन
4) आयरिश आतंकवादियों एवं रूसी निहिलिस्टों की प्रेरणा

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को अंजाम दिया।

③ तिलक के 'स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है' तथा अरविन्दो के 'मातृभूमि अब लम्बी नींद से जागने वाली है' जैसे वाक्यों ने क्रांतिकारी भावना को बढ़ावा दिया।

④ ब्रिटिश का शोषणकारी स्वरूप - जिससे लोगों के मन में असंतोष उत्पन्न हुआ और उन्होंने प्रतिक्रिया स्वरूप हथियार उठा लिए।

⑤ असहयोग आंदोलन की विफलता ने भी क्रांतिकारियों को प्रेरित किया तथा HSRA जैसे संगठन बने।

क्रांतिकारी आंदोलन के पतन के कारक

① हिंसात्मक गतिविधियों के कारण जनसामान्य के मन में पैठ नहीं बना सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

② क्रांतिकारी भूमिगत रहकर कार्य करते थे जिससे जन सामान्य में इनका प्रचार कम हुआ।

उदाहरण द्वारा पुष्टि करें।

③ सरकार ने इनके विरुद्ध दमनात्मक कार्रवाई की तथा अनेक क्रांतिकारियों को फाँसी की सजा दे दी गई।

④ देश का प्रमुख संगठन कांग्रेस का इन्हें सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। ?

व्यक्तिगत वीरता के कुछ उल्लेखनीय उदा० को भी लिखें।

⑤ ये आंदोलन अपनी प्रकृति में स्थानीय थे।

⑥ धन व हथियारों का अभाव।

⑦ अनेक लोगों द्वारा क्रांतिकारियों के विरुद्ध अंग्रेजों का साथ देना।

स्पष्ट है कि, अपनी विफलता के बावजूद क्रांतिकारी आंदोलन ने राष्ट्रवादी भावनाओं में वृद्धि की तथा ब्रिटिश को देश छोड़ने हेतु बाध्य किया।

उचित निष्कर्ष

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने 20वीं सदी के अंत में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत के साथ एक बड़ी प्रगति की। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The Indian national movement took a major leap forward with the start of the Swadeshi Movement at the turn of 20th century." Analyze. (250 words) 15

नयी सदी के साथ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एक नए दौर में प्रवेश कर गया था।

वस्तुतः बंगाल के विभाजन की घोषणा वायसराय लॉर्ड कर्जन ने कर दी थी जिसके विरोध में अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई।

स्वदेशी आंदोलन का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान —

① इसने जनसामान्य के मन में राष्ट्रवाद की धारणा का विकास किया।

राष्ट्रवाद के विचार का आधार को व्यापकता।

② विरोध की नई पद्धतियाँ प्रचलित हुईं। 3 Ps के स्थान पर – हड़ताल, धरना, प्रदर्शन
(Prayer, Petition, Protest)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ स्वदेशी की अवधारणा का विस्तार

- ↳ विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई
- ↳ अनेक स्वदेशी संस्थानों की स्थापना
  e.g. बंगाल केमिकल्स (P.C. Basu)
  नेशनल कॉलेज बंगाल

④ आंदोलन का सामाजिक आधार

- ↳ नरमपंथियों से निकलकर गरमपंथियों के हाथ में नेतृत्व
- ↳ किसान, मजदूरों की आंदोलन में भागीदारी
- ↳ महिलाओं ने पहली बार आंदोलन में भाग दिया।

⑤ विभिन्न समितियों का गठन (अनुशीलन समिति) तथा उत्सवों (शिवाजी उत्सव, गणेश उत्सवों) के द्वारा राजनीतिक जागृति में वृद्धि।

(2) साम्प्रदायिक लामबन्दी
(1) निष्क्रिय प्रतिरोध
(i) आर्थिक बहिष्कार
(ii) जन सभा अभियान
(iv) सामाजिक सुधार
(3) स्वदेशी उद्योग, स्वदेशी उत्पाद
(4) समानांतर शैक्षणिक प्रणाली
(5) स्वराज का आह्वान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑥ हिन्दू-मुस्लिम एकता (यहीं तो कमी रही)

↳ विभाजन के विरोध में एक दूसरे के हाथ पर राखी बाँधी।

स्पष्ट है कि जो आंदोलन नरमपंथी नेताओं के नेतृत्व में केवल कुछ लोगों तक सीमित था, उसे स्वदेशी आंदोलन ने एक झटके में जन आंदोलन में बदल दिया।

समग्रता से लिखना अपेक्षित

6.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों के बनने के कारणों की व्याख्या कीजिये। यह भी बताइये कि बंगाल की खाड़ी में अधिक उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्यों आते हैं? (250 शब्द) 15

Explain the causes for the formation of tropical cyclones. Explain why there are more tropical cyclones in Bay of Bengal? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चक्रवात निम्न वायुदाब के केन्द्र होते हैं जिसमें केन्द्र से बाहर की ओर उच्च वायुदाब की समदाब रेखाएँ पाई जाती हैं और वायु की दिशा बाहर से केन्द्र की ओर होती है।

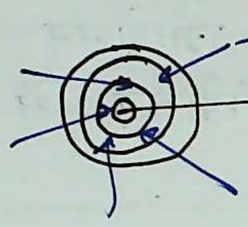

चक्रवात
- उष्ण कटिबंधीय (केवल समुद्री सतह पर निम्न अक्षांशों में)
- शीतोष्ण कटिबंधीय (मध्य अक्षांशों में वाताग्र से संबंधित)

अपेक्षित नहीं

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात बनने के कारण

① समुद्री सतह का तापमान 24-27°C होना चाहिए। नमी की आपूर्ति

② कोरियोलिस बल की उपस्थिति होनी चाहिए।

भूमध्य रेखा से दूर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ सतह पर निम्न दाब के केन्द्र का विकास होना चाहिए तथा संवहन धाराओं का ऊपर की ओर उठना चाहिए।

परिस्थितियाँ उचित

④ चक्रवात को ऊर्जा देने हेतु वाष्पीकरण की दर उच्च होनी चाहिए।

⑤ ऊपरी वायुमण्डल में वायु कर्तन कम होना चाहिए।

उपरोक्त दशाओं के बनने पर चक्रवात की उत्पत्ति होती है।

भारत में चक्रवात प्रायः अक्टूबर नवम्बर में उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु (बंगाल की खाड़ी) व कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात (अरब सागर) में आते हैं।

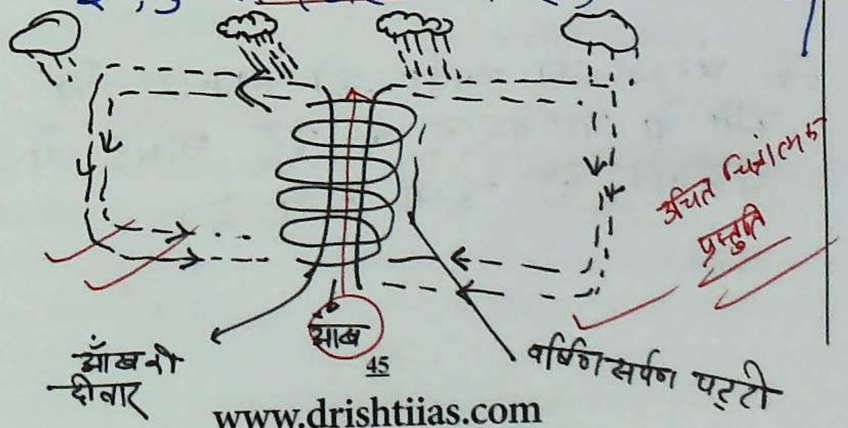

उचित चित्रांकन प्रस्तुति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अधिक आने के कारण

① ताप भिन्नता -

बंगाल की खाड़ी का तापमान अरब सागर से अधिक है।

② नदियों का प्रवाह - बंगाल की खाड़ी में नदियों के अधिक प्रवाह से स्वच्छ जल की आपूर्ति होती रहती है जिससे सतही जल की शीतल जल से मिक्सिंग नहीं हो पाती है।

③ प्रशांत महासागर के मध्य किसी बड़े स्थल खण्ड का अभाव से प्रशांत महासागर की दाबीय व तापीय स्थितियों का प्रभाव भी पड़ता है।

④ बंगाल की खाड़ी की लवणता में कमी से वाष्पीकरण की दर अधिक जो चक्रवात को ऊर्जा देती है।

बंगाल की खाड़ी में अधिकता के कारण —
① सागर का तीव्र उष्मन
② समुद्री उथलापन
③ दृढ़ स्वरूप
④ उच्चताप

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखियों की चर्चा कीजिये और समझाइये कि विश्व के अधिकांश ज्वालामुखी परि-प्रशांत पेटी में क्यों स्थित हैं। (250 शब्द) 15

Discuss various types of volcanoes and explain why most of the world's volcanoes are situated along circum pacific belt. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी के आंतरिक भाग से किसी छिद्र के सहारे गर्म-गलित मैग्मा का धरातल पर लावा के रूप में प्रकट होना ज्वालामुखी प्रक्रिया कहलाता है तथा उस छिद्र को ज्वालामुखी कहते हैं।

ज्वालामुखी के प्रकार

① उद्गार के आधार पर

केन्द्रीय उद्भेदन ज्वालामुखी
- सिण्डर शंकु
- कंपोजिट शंकु
- क्रेटर, कॉल्डेरा

→ मैग्मा अत्यधिक गाढ़ा होता है।
→ विस्फोट के साथ बाहर निकलता है।
→ अत्यधिक अम्लीय मैग्मा

दरारी प्रकार ज्वालामुखी
→ लावा पठार
→ लावा मैदान

✓ क्षारीय व पतला मैग्मा
✓ दरार के सहारे शांत प्रकार से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

केन्द्रीय उद्भेदन

शांत दरारी प्रकार

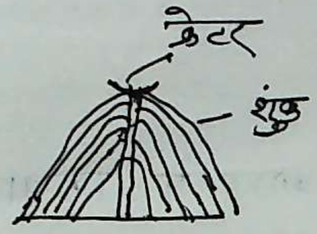

② सक्रियता के आधार पर

सक्रिय	प्रसुप्त	निष्क्रिय
→ ज्वालामुखी उद्गार अभी भी जारी है।	→ लम्बे समय से नहीं हुआ लेकिन कभी भी हो सकता है।	→ उद्गार अब नहीं होगा
e.g. लिपारी द्वीप के ज्वालामुखी	e.g. क्राकाटाओ	e.g. नारकोंडम (अण्डमान)

विस्तार से लेखन की आवश्यकता

③ विस्फोटकता के आधार पर

① हवाई
② विसुवियस
③ पीलियन
④ स्ट्राम्बोलियन

परिप्रशांत पेटी में ज्वालामुखी स्थित होने के कारण - सामान्यत: ज्वालामुखी प्लेट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परिप्रशांत क्षेत्र में प्रमुख स्थानों व सम्बन्धित ज्वालामुखी एवं उनके नामोल्लेख अपेक्षित

के किनारे पर आते हैं जहां पर वे अपसारी या अभिसारी गति कर रहीं होती हैं।

→ परिप्रशांत पेटी में यूरेशियन प्लेट व प्रशांत महासागरीय प्लेट की टक्कर के कारण महासागरीय प्लेट के क्षेपण से ज्वालामुखी की उत्पत्ति होती है।

इसी कारण इस पेटी को Ring of fire भी कहते हैं।

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. 19वीं शताब्दी में आधुनिक शिक्षा के विकास के लिये उत्तरदायी कारकों की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Critically examine the factors responsible for evolution of modern education in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक भारत में आधुनिक शिक्षा का विकास 1813 की घोषणा से माना जाता है जिसमें भारतीय शिक्षा के लिए प्रति-वर्ष एक लाख रुपये खर्च करने की बात की गई थी।

विकास के लिए उत्तरदायी कारक

(1) अंग्रेजों को द्विभाषिये के रूप में सस्ते क्लर्कों की आवश्यकता थी।

(2) भारतीय कानून प्रणाली के अध्ययन हेतु भी कर्मचारी आवश्यक थे क्योंकि कोर्ट की भाषा फारसी थी।

(3) अपने 'श्वेत मनुष्य के भार के सिद्धांत' को प्रतिपादित करने हेतु शिक्षा के विकास पर बल दिया।

उत्तरदायी कारक
(1) वृहद बाजार बनाना
(2) ब्रिटिश-भारतीय सामंजस्य स्थापित करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) भारतीयों को ऐसे वर्ग के रूप में तैयार करना जो आचार-विचार में ब्रिटिश तथा रक्त और रंग में भारतीय हो, ताकि ब्रिटिश वस्तुओं की मांग बढ़ सके।

(5) कुछ भारतीयों को शिक्षित कर अपने शासन की वैधता को प्रमाणित कर सके।

लेकिन ये नीति उपनिवेशवादी मानसिकता से ग्रसित थी जो आंग्ल-प्राच्य विवाद व मैकाले मिनट के माध्यम से स्पष्ट हो गई।

प्रभाव पहले
1813 चार्टर एक्ट
(2) मैकाले नीति - 1835
(3) वुड्स डिस्पैच - 1854
(4) हंटर कमीशन - 1882

सकारात्मक प्रभाव
(1) तार्किकता
(2) पूर्वाग्रहों पर विचारशीलता
(3) राष्ट्रवाद के प्रसार में भागीदारी का विकास

नकारात्मक प्रभाव —
(1) जन शिक्षा की उपेक्षा
(2) बालिका शिक्षा की उपेक्षा
(3) स्थानीय भाषा की उपेक्षा

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation